Downloaded From:http://www.cbseportal.com

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च - 2015

अंक योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) दिल्ली, कोड संख्या 64/1/1

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक योजना मूल्यांकन करने में व्यक्तिपरकता को कम करने हेतु सामान्य दिशा निर्देश प्रदान करती है। अंक योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक और सांकेतक हैं। यदि परीक्षार्थी अंक योजना में दिए गए उत्तरों से भिन्न उत्तर लिखता है, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे पूरे अंक दिए जाँए।

2. अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाय। मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार अथवा अन्य किसी सोच के आधार पर नहीं है। अंक योजना का यथावत पालन किया जाय और उसका उपयोग नियमित रूप से किया जाय।

3. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हैं तो ऐसे प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तरों पर दाँई ओर अंक दिए जाएं। तद्नन्तर उपभागों के अंकों का योग बाँई ओर हाशिए पर लिखकर उसे गोलकृत किया जाय।

4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर अंक बाँई ओर ही दिए जाएं और उन्हें गोलाकृत किया जाय।

5. प्रत्येक उत्तर के साथ संदर्भ हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तकों की पृष्ठ संख्या दी गई है, ताकि आवश्यकतानुसार परीक्षक इन पृष्ठों का अध्ययन कर उत्तरों का मूल्यांकन तथ्यपरक कर सकें।

   पाठ्यपुस्तक 1. मानव भूगोल के मूल्य सिद्धान्त, एन.सी.आर.टी.

   पाठ्यपुस्तक 2. भारत लोग और अर्थव्यवस्था, एन.सी.आर.टी.

6. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने - 0 से 100 का प्रयोग अपेक्षित है। यदि परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है तो उसे पूरे अंक देने में तनिक भी संकोच न करें।

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

विशिष्ट निर्देश :

1. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं। ये अपने में पूर्ण उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति सही है तो तद्नुसार अंक देने चाहिए।

2. माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशनुसार परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की छाया प्रति प्रार्थना पर निर्धारित शुल्क के भुगतान पर प्राप्त कर सकेंगे। सभी मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों को एक बार पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन करते समय प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं का कड़ाई से परिपालन किया जाय।

3. सभी मुख्य परीक्षकों / परीक्षकों को निर्दिष्टित किया जाता है कि जब वे उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हों और किसी प्रश्न का उत्तर पूरी तरह गलत पाते हैं तो गलत उत्तर के लिए (X) अंकित करना चाहिए और 0 अंक (शून्य) दिया जाना चाहिए।

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

अखिल भारतीय सीनियर सैकन्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा इतिहास

प्रश्न-पत्र-संख्या 64/1/1

अंक योजना 2015

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
1	**'जनसंख्या वितरण'** शब्द का अर्थ भूपृष्ठ पर वितरित लोगों के स्वरूप से है। पृ.सं. 8, पा.पु. I	1
2	मानव के वे क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है, उन्हें **आर्थिक क्रियाएं** कहा जाता है। पृ.सं. 31, पा.पु. I	1
3	अनेक स्थान जिन्हें परस्पर मार्गों की श्रेणियों द्वारा जोड़ दिए जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है, उसे **परिवहन जाल** कहते हैं। पृ.सं. 65, पा.पु. I	1
4	ग्रामों और शहरों में **व्यवसाय** के **आधार** पर अन्तर यह है कि नगरों के निवासियों का मुख्य व्यवसाय द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियों से सम्बधित होता है; जबकि ग्रामों में रहने वाले निवासियों का मुख्य व्यवसाय प्राथमिक गतिविधियों से सम्बधित होता है। पृ.सं. 92, पा.पु. I	1
5	भारत में **नगरीकरण के स्तर का माप** कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में किया जाता है। पृ.सं. 36, पा.पु. II	1
6	शेरशाह सूरी ने अपने साम्राज्य को सुदृढ़ एवं संगठित रखने के लिए **शाही राजमार्ग** का निर्माण कराया था। पृ.सं. 114, पा.पु. II	1
7	प्रदूषकों के परिवहित एवं विसरित होने के माध्यम के आधार पर **प्रदूषण को वर्गीकृत** किया जाता है। पृ.सं. 115, पा.पु. I	1

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
8	**मानव भूगोल के अध्ययन की विषय वस्तु :** (i) भौतिक जगत और मानव जगत के बीच सम्बन्ध स्थापित करना। (ii) मानवीय परिघटनाओं के स्थानिक वितरण का अध्ययन करना। (iii) विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करना। (iv) पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना, जिन्होंने मानव को पोषित किया है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 1, पा.पु. I	3×1 = 3
9	**संसार में ग्रामीण बस्तियों की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारक :** (i) जल आपूर्ति (ii) भूमि/उपजाऊ मृदा (iii) उच्चभूमि के क्षेत्र (iv) गृह निर्माण सामग्री (v) सुरक्षा (vi) नियोजित बस्तियाँ (किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 94, पा.पु. I	3×1 = 3
10	10 लाख से 50 लाख जनसंख्या वाले प्रत्येक नगर को **महानगर** कहते हैं और 50 लाख से अधिक जनसंख्या वाले प्रत्येक नगर को **मेगानगर** कहा जाता है। 1 **उदाहरण :** **महानगर :** सूरत, कानपुर, जयपुर, लखनऊ आदि कोई दो ½+½=1 **मेगानगर :** वृहत मुम्बई/मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बंगलौर, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे कोई दो ½+½=1 पृ.सं. 37, पा.पु. II	1+1+1 = 3

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
11	**भारत में भू-संसाधनों का महत्त्व उन लोगों के लिए और अधिक है, जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर है।** (i) कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित है। (ii) उत्पादकता भूमि की गुणवत्ता से जुड़ी है। (iii) भूमि स्वामित्व का सामाजिक मूल्य है। (iv) कृषक समाज का जीवन स्तर कृषि की उत्पादकता पर निर्भर है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं तीन तर्कों सहित पुष्टि अपेक्षित।) पृ.सं. 43 पा.पु. II	$3 \times 1 = 3$
12	**विकास को सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।** (i) भारत में विश्व के लगभग 16 प्रतिशत जनसंख्या है, जबकि जल संसाधन केवल 4 प्रतिशत हैं। अथवा भारत में विशाल जनसंख्या है: परन्तु जल संसाधन सीमित हैं। (ii) भारत में उपयोग योग्य जल बहुत सीमित है। (iii) जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है और जल की मांग भी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। (iv) प्रदूषण जल संसाधनों को अनुपयोगी बना रहा है। मानव मूल्य जैसे उत्तरदायित्व, सकारात्मकता, जाग्रति, सन्तोष, सहयोग तथा जनता की सक्रियता जल संसाधनों के संरक्षण के लिए आवश्यक हैं। मूल्यों के संदर्भ में किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित। *मूल्य आधारित प्रश्न होने के नाते विद्यार्थी के विचार विचारणीय हैं। पृ.सं. 60, पा.पु. II	$3 \times 1 = 3$

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
13	वायु प्रदूषण का अर्थ धूल, धुआँ, गैसें, कुहासा, दुर्गंध और वाष्प जैसे संदूषकों की वायु में अभिवृद्धि व उस अवधि से लिया जाता है जो हॉनिकारक होते हैं। 1 **हँानिकारक प्रभाव** (i) प्राणिजगत, वनस्पति जगत और सम्पत्ति के लिए। (ii) वायु प्रदूषण के कारण श्वसन तंत्रीय, तंत्रिका तंत्रीय तथा रक्त संचारतंत्र सम्बन्धी विभिन्न बीमारियाँ होती हैं। (iii) यह शहरी धूम्र का कारण बनता है। (iv) वायु प्रदूषण के कारण अम्ल वर्षा हो सकती है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। $2\times1=2$ (किन्हीं दो प्रभावों की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 137, पा.पु. II	1+2 = 3
14	**मानव विकास** विकास की वह प्रक्रिया है जिसमें लोगों के विकल्पों में विस्तार और उनके जीवन में सुधार करती है। 1 **मानव विकास के स्तम्भ :** (i) समता (ii) सतत पोषणीमता (iii) उत्पादकता (iv) सशक्तिकरण इन चारों स्तम्भों की व्याख्या अपेक्षित है। $4\times1=4$ पृ.सं. 26, पा.पु. I	1+4 = 5
15	**उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक** (i) बाजार तक अभिगम्यता। (ii) कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता। (iii) श्रम आपूर्ति की अभिगम्यता। (iv) शक्ति के साधनों की अभिगम्यता।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(v) परिवहन की अभिगम्यता। (vi) संचार सुविधाओं की अभिगम्यता। (vii) सरकारी नीति। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं पाँच कारकों की व्याख्या अपेक्षित है।) पृ.सं. 46-67, पा.पु. I	5×1 = 5
16	**चलवासी पशुचारण** एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय है, जिसमें पशुचारक अपने भोजन वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भार रहते हैं। 1 **विशेषताएं :** (i) वे चरागाहों की उपलब्धता एवं गुणवत्ता पर निर्भर रहते हैं। (ii) प्रत्येक पशुचारक वर्ग का अपना-अपना निश्चित चरागाह क्षेत्र होता है। (iii) भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के पशु पाले जाते हैं। (iv) इनका जीवन सीधे अपने पशुधन से जुड़ा है। (v) चलवासी पशुचारक अपने पशुधन के सहित ऋतु परिवर्तन के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर गतिशील होते हैं, जिसे ऋतु प्रवास कहा जाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 4×1 = 4 (किन्हीं चार विशेषताओं की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 33, पा.पु. I	1+4 = 5
17	**संसार का सबसे लम्बा पार महाद्वीपीय रेलमार्ग :** पार साइबेरियन रेलमार्ग 1 **विशेषताएँ :** (i) यह 9000 कि.मी. से अधिक लम्बा रेल मार्ग है। (ii) यह सेंटपीटर्स वर्ग से व्लाडीवोस्टक तक विस्तृत है। (iii) यह दुहरा रेलमार्ग है।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iv) यह विद्युतीकृत रेलमार्ग है। (v) यह एशिया में सबसे महत्वपूर्ण रेलमार्ग है। (vi) इस मार्ग को दक्षिण से जोड़ने वाले योजक मार्ग हैं। (vii) यह एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपिय बाजारों से जोड़ता है। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 4×1 = 4 (किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन अपेक्षित।) पृ.सं. 70, पा.पु. I	1+4 = 5
18	**जनसंख्या के घनत्व** को प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है। 1 **स्थानिक भिन्नता** (i) **अति निम्न :** अरुणाचल प्रदेश 13/17 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर। (ii) **निम्न :** हिमालयी प्रदेश के पर्वतीय राज्य तथा असम सहित उत्तर-पूर्वी राज्य। (iii) **सामान्य :** गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा। (iv) **उच्च :** पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल, तमिलनाडु। (v) **अति उच्च :** दिल्ली। 4×1 = 4 (किन्हीं चार बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित।) पृ.सं. 3, पा.पु. II	1+4 = 5
19	**चरागाह भूमि में कमी के कारण :** कृषि भूमि पर बढ़ता दबाव है तथा साझी चरागाहों पर गैर कानूनी तरीकों से कृषि विस्तार है। 2 **अर्थव्यवस्था में परिवर्तन भूमि उपयोग में परिवर्तन** (i) अर्थव्यवस्था का आकार (ii) अर्थव्यवस्था की संरचना (iii) कृषि का घटता योगदान (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 3×1 = 3 (किन्हीं तीन बिन्दुओं के व्याख्या की अपेक्षा।) पृ.सं. 41 पा.पु. II	2+3 = 5

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
20	**भारत में सड़कों के असमान वितरण के उत्तरदायी कारक :** (i) **उच्चावच** ● पर्वत ● पठार ● मैदान ● मरुस्थल (ii) **आर्थिक विकास** ● कृषीय विकास ● औद्योगिक विकास (iii) **जनसंख्या वितरण** ● उच्च ● मध्यम ● निम्न (iv) सरकारी नीति (v) जलवायु (vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं/उप-बिन्दुओं की कथन के पक्ष में तार्किक विवेचन। पृ.सं. 117, पा.पु. II	5×1 = 5
21	**उत्तर के लिए संसार का संलग्न मानचित्र देखिए।** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए :** (21.1) नार्वे (21.2) सिडनी (21.3) रायो डी जेनेरो/पोर्टो एलेग्रे/साल्वाडोर (21.4) न्यू आर्लियन्स (21.5) लागोस	5×1 = 5

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
22	**उत्तर के लिए भारत का संलग्न मानचित्र देखिए।** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए :** (22.1) गोआ (22.2) पश्चिम बंगाल (22.3) पानीपत (22.4) भिलाई (22.5) बंगलौर	$5 \times 1 = 5$

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Map for Q. No. 21

प्रश्न सं. 21 के लिए मानचित्र

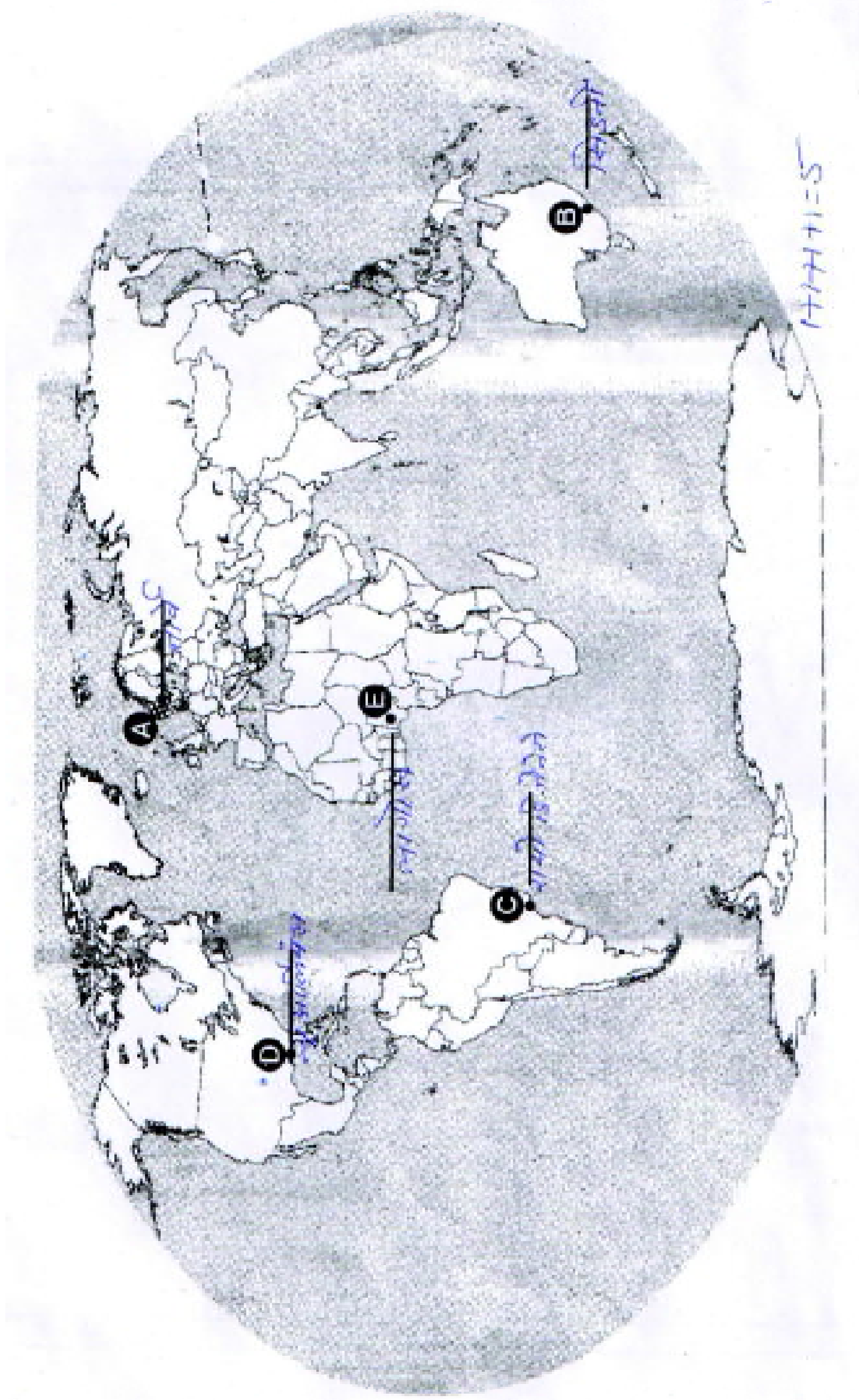

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Map for Q. No. 22

प्रश्न सं. 22 के लिए मानचित्र

6411/1, 6411/2, 6411/3

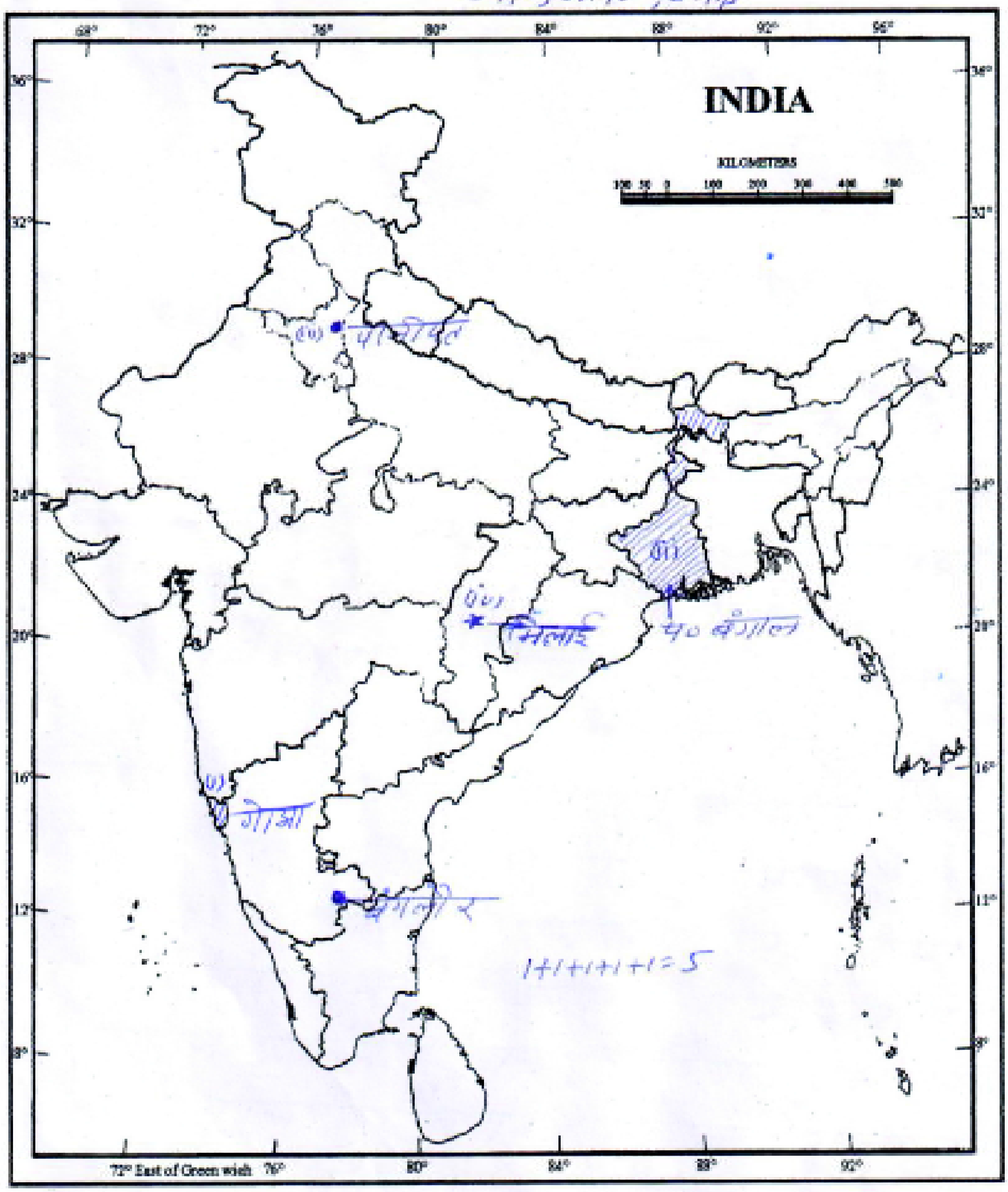

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च - 2015

अंक योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) दिल्ली, कोड संख्या 64/1/2

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक योजना मूल्यांकन करने में व्यक्तिपरकता को कम करने हेतु सामान्य दिशा निर्देश प्रदान करती है। अंक योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक और सांकेतक हैं। यदि परीक्षार्थी अंक योजना में दिए गए उत्तरों से भिन्न उत्तर लिखता है, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे पूरे अंक दिए जाँए।

2. अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाय। मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार अथवा अन्य किसी सोच के आधार पर नहीं है। अंक योजना का यथावत पालन किया जाय और उसका उपयोग नियमित रूप से किया जाय।

3. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हैं तो ऐसे प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तरों पर दाँई ओर अंक दिए जाएं। तद्नन्तर उपभागों के अंकों का योग बाँई ओर हाशिए पर लिखकर उसे गोलकृत किया जाय।

4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर अंक बाँई ओर ही दिए जाएं और उन्हें गोलाकृत किया जाय।

5. प्रत्येक उत्तर के साथ संदर्भ हेतु निर्धारित पाठयपुस्तकों की पृष्ठ संख्या दी गई है, ताकि आवश्यकतानुसार परीक्षक इन पृष्ठों का अध्ययन कर उत्तरों का मूल्यांकन तथ्यपरक कर सकें।

   पाठयपुस्तक 1. मानव भूगोल के मूल्य सिद्धान्त, एन.सी.आर.टी.

   पाठयपुस्तक 2. भारत लोग और अर्थव्यवस्था, एन.सी.आर.टी.

6. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने - 0 से 100 का प्रयोग अपेक्षित है। यदि परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है तो उसे पूरे अंक देने में तनिक भी संकोच न करें।

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

विशिष्ट निर्देश :

1. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं। ये अपने में पूर्ण उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति सही है तो तद्नुसार अंक देने चाहिए।
2. माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशनुसार परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की छाया प्रति प्रार्थना पर निर्धारित शुल्क के भुगतान पर प्राप्त कर सकेंगे। सभी मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों को एक बार पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन करते समय प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं का कड़ाई से परिपालन किया जाय।
3. सभी मुख्य परीक्षकों / परीक्षकों को निर्दिष्टित किया जाता है कि जब वे उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हों और किसी प्रश्न का उत्तर पूरी तरह गलत पाते हैं तो गलत उत्तर के लिए (X) अंकित करना चाहिए और 0 अंक (शून्य) दिया जाना चाहिए।

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

अखिल भारतीय सीनियर सैकन्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा इतिहास

प्रश्न-पत्र-संख्या 64/1/2

अंक योजना 2015

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
1	प्रदूषकों के परिवहित एवं विसरित होने के माध्यम के आधार पर **प्रदूषण को वर्गीकृत** किया जाता है। पृ.सं. 115, पा.पु. I	1
2	शेरशाह सूरी ने अपने साम्राज्य को सुदृढ़ एवं संगठित रखने के लिए **शाही राजमार्ग** का निर्माण कराया था। पृ.सं. 114, पा.पु. II	1
3	भारत में **नगरीकरण के स्तर का माप** कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में किया जाता है। पृ.सं. 36, पा.पु. II	1
4	अनेक स्थान जिन्हें परस्पर मार्गों की श्रेणियों द्वारा जोड़ दिए जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है, उसे **परिवहन जाल** कहते हैं। पृ.सं. 65, पा.पु. I	1
5	ग्रामों और शहरों में **व्यवसाय** के **आधार** पर अन्तर यह है कि नगरों के निवासियों का मुख्य व्यवसाय द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियों से सम्बधित होता है; जबकि ग्रामों में रहने वाले निवासियों का मुख्य व्यवसाय प्राथमिक गतिविधियों से सम्बधित होता है। पृ.सं. 92, पा.पु. I	1
6	मानव के वे क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है, उन्हें **आर्थिक क्रियाएं** कहा जाता है। पृ.सं. 31, पा.पु. I	1
7	**'जनसंख्या वितरण'** शब्द का अर्थ भूपृष्ठ पर वितरित लोगों के स्वरूप से है। पृ.सं. 8, पा.पु. I	1

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
8	**संसार में ग्रामीण बस्तियों की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारक :** (i) जल आपूर्ति (ii) भूमि/उपजाऊ मृदा (iii) उच्चभूमि के क्षेत्र (iv) गृह निर्माण सामग्री (v) सुरक्षा (vi) नियोजित बस्तियाँ (किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 94, पा.पु. I	3×1 = 3
9	**मानव भूगोल के अध्ययन की विषय वस्तु :** (i) भौतिक जगत और मानव जगत के बीच सम्बन्ध स्थापित करना। (ii) मानवीय परिघटनाओं के स्थानिक वितरण का अध्ययन करना। (iii) विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करना। (iv) पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना, जिन्होंने मानव को पोषित किया है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 1, पा.पु. I	3×1 = 3
10	**भारत में ग्रामीण बस्तियों और नगरीय बस्तियों में अन्तर :** **ग्रामीण बस्तियाँ :** (i) अधिकतर लोग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में लगे होते हैं। (ii) सामाजिक सम्बन्ध घनिष्ट होते हैं। (iii) अपर्याप्त शैक्षिक सुविधाएं। (iv) पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाओं का न होना।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(v) निम्न जीवन स्तर। (iv) कोई अन्य बिंदु। **नगरीय बस्तियाँ :** (i) अधिकतर लोग द्वितीयक और तृतीयक अर्थिक क्रियाओं में लगे होते हैं। अधिकतर लोग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं को छोड़ अन्य आर्थिक क्रियाओं में लगे होते हैं। (ii) सामाजिक सम्बन्ध औपचारिक होते हैं। (iii) पर्याप्त शैक्षिक सुविधाएं का होना। (iv) पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाओं का होना। (v) उच्च जीवन स्तर। (iv) कोई अन्य बिंदु। किन्हीं तीन अन्तर प्रतिपादित करने वाले बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित। पृ.सं. 32, पा.पु. II	$3 \times 1 = 3$
11	**विकास को सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।** (i) भारत में विश्व के लगभग 16 प्रतिशत जनसंख्या है, जबकि जल संसाधन केवल 4 प्रतिशत हैं। अथवा भारत में विशाल जनसंख्या हैः परन्तु जल संसाधन सीमित हैं। (ii) भारत में उपयोग योग्य जल बहुत सीमित है। (iii) जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है और जल की मांग भी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। (iv) प्रदूषण जल संसाधनों को अनुपयोगी बना रहा है। मानव मूल्य जैसे उत्तरदायित्व, सकारात्मकता, जाग्रति, सन्तोष, सहयोग तथा जनता	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	की सक्रियता जल संसाधनों के संरक्षण के लिए आवश्यक हैं। मूल्यों के संदर्भ में किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित। *मूल्य आधारित प्रश्न होने के नाते विद्यार्थी के विचार विचारणीय हैं। पृ.सं. 60, पा.पु. II	3×1 = 3
12	**भारत में भू-संसाधनों का महत्त्व उन लोगों के लिए और अधिक है, जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर है।** (i) कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित है। (ii) उत्पादकता भूमि की गुणवत्ता से जुड़ी है। (iii) भूमि स्वामित्व का सामाजिक मूल्य है। (iv) कृषक समाज का जीवन स्तर कृषि की उत्पादकता पर निर्भर है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं तीन तर्कों सहित पुष्टि अपेक्षित।) पृ.सं. 43 पा.पु. II	3×1 = 3
13	**पर्यावरण प्रदूषण** मानवीय क्रियाकलापों के अपशिष्ट उत्पादों से मुक्त द्रव्य एवं ऊर्जा का परिणाम है। 1 (i) जल प्रदूषण (ii) वायु प्रदूषण (iii) भू-प्रदूषण (iv) ध्वनि प्रदूषण 4×½ = 2 पृ.सं. 135, पा.पु. II	1+2 = 3
14	जनसंख्या की घनात्मक वृद्धि तब होती है, जब दो समय अन्तरालों के बीच जन्म दर, मृत्यु दर से अधिक हो या जब अन्य देशों से लोग स्थायी रूप से उस देश में प्रवास कर जाएँ। 1	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	संसार में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक : (i) जल की उपलब्धता (ii) भू आकृति (iii) जलवायु (iv) मृदाएं $4 \times 1 = 4$ इन कारकों की व्याख्या अपेक्षित। पृ.सं. 10-11, पा.पु. 1	1+4 = 5
15	**चलवासी पशुचारण** एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय है, जिसमें पशुचारक अपने भोजन वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भार रहते हैं। 1 **विशेषताएं :** (i) वे चरागाहों की उपलब्धता एवं गुणवत्ता पर निर्भर रहते हैं। (ii) प्रत्येक पशुचारक वर्ग का अपना-अपना निश्चित चरागाह क्षेत्र होता है। (iii) भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के पशु पाले जाते हैं। (iv) इनका जीवन सीधे अपने पशुधन से जुड़ा है। (v) चलवासी पशुचारक अपने पशुधन के सहित ऋतु परिवर्तन के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर गतिशील होते हैं, जिसे ऋतु प्रवास कहा जाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। $4 \times 1 = 4$ (किन्हीं चार विशेषताओं की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 33, पा.पु. 1	1+4 = 5
16	**उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक** (i) बाजार तक अभिगम्यता। (ii) कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता। (iii) श्रम आपूर्ति की अभिगम्यता। (iv) शक्ति के साधनों की अभिगम्यता।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(v) परिवहन की अभिगम्यता। (vi) संचार सुविधाओं की अभिगम्यता। (vii) सरकारी नीति। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं पाँच कारकों की व्याख्या अपेक्षित है।) पृ.सं. 46-67, पा.पु. I	5×1 = 5
17	**स्थल परिवहन के विकास की यात्रा** प्रारम्भिक दिनों में मानव स्वयं वाहक थे- पालकी/डोली, बाद के वर्षों में पशुओं का उपयोग बोझा ढोने के लिए किया जाने लगा। पहिए के अविष्कार ने परिवहन में क्रान्ति कर दी। गाड़ियों और माल डिब्बों का प्रयोग होने लगा। अन्तर्दहन इंजन के आविष्कार ने कार, ट्रक आदि के संदर्भ में सड़क परिवहन में क्रान्ति ला दी। पाइपलाइनों, रज्जू मार्गों और तार मार्गों का अपना-अपना महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। समग्र रूप में मूल्यांकन अपेक्षित। पृ.सं. 66, पा.पु. 1	5
18	**भारत में जनसंख्या के आकड़ों का स्रोत** जनगणना 1 **भारत में जनसंख्या का वितरण** (i) अति उच्च (ii) उच्च (iii) सामान्य (iv) निम्न भारत में जनसंख्या का वितरण भौतिक लक्षणों, औद्योगिक विकास, नगरीकरण, आर्थिक विकास, प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, कृषीय विकास, परिवहन सुविधाओं के द्वारा नियंत्रित है। 4×1 = 4 कारणों सहित व्याख्या अपेक्षित। पृ.सं. 1-3, पा.पु. II	1+4 = 5

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
19	**भारत में सड़कों के असमान वितरण के उत्तरदायी कारक :** (i) **उच्चावच** • पर्वत • पठार • मैदान • मरुस्थल (ii) **आर्थिक विकास** • कृषीय विकास • औद्योगिक विकास (iii) **जनसंख्या वितरण** • उच्च • मध्यम • निम्न (iv) सरकारी नीति (v) जलवायु (vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं/उप-बिन्दुओं की कथन के पक्ष में तार्किक विवेचन। पृ.सं. 117, पा.पु. II	5×1 = 5
20	**चरागाह भूमि में कमी के कारण :** कृषि भूमि पर बढ़ता दबाव है तथा साझी चरागाहों पर गैर कानूनी तरीकों से कृषि विस्तार है। 2 **अर्थव्यवस्था में परिवर्तन भूमि उपयोग में परिवर्तन** (i) अर्थव्यवस्था का आकार (ii) अर्थव्यवस्था की संरचना (iii) कृषि का घटता योगदान (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 3×1 = 3 (किन्हीं तीन बिन्दुओं के व्याख्या की अपेक्षा।) पृ.सं. 41 पा.पु. II	2+3 = 5

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
21	**उत्तर के लिए संसार का संलग्न मानचित्र देखिए।** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए :** (21.1) नार्वे (21.2) सिडनी (21.3) रायो डी जेनेरो/पोर्टो एलेग्रे/साल्वाडोर (21.4) न्यू आर्लियन्स (21.5) लागोस	5×1 = 5
22	**उत्तर के लिए भारत का संलग्न मानचित्र देखिए।** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए :** (22.1) गोआ (22.2) पश्चिम बंगाल (22.3) पानीपत (22.4) भिलाई (22.5) बंगलौर	5×1 = 5

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Map for Q. No. 21
प्रश्न सं. 21 के लिए मानचित्र

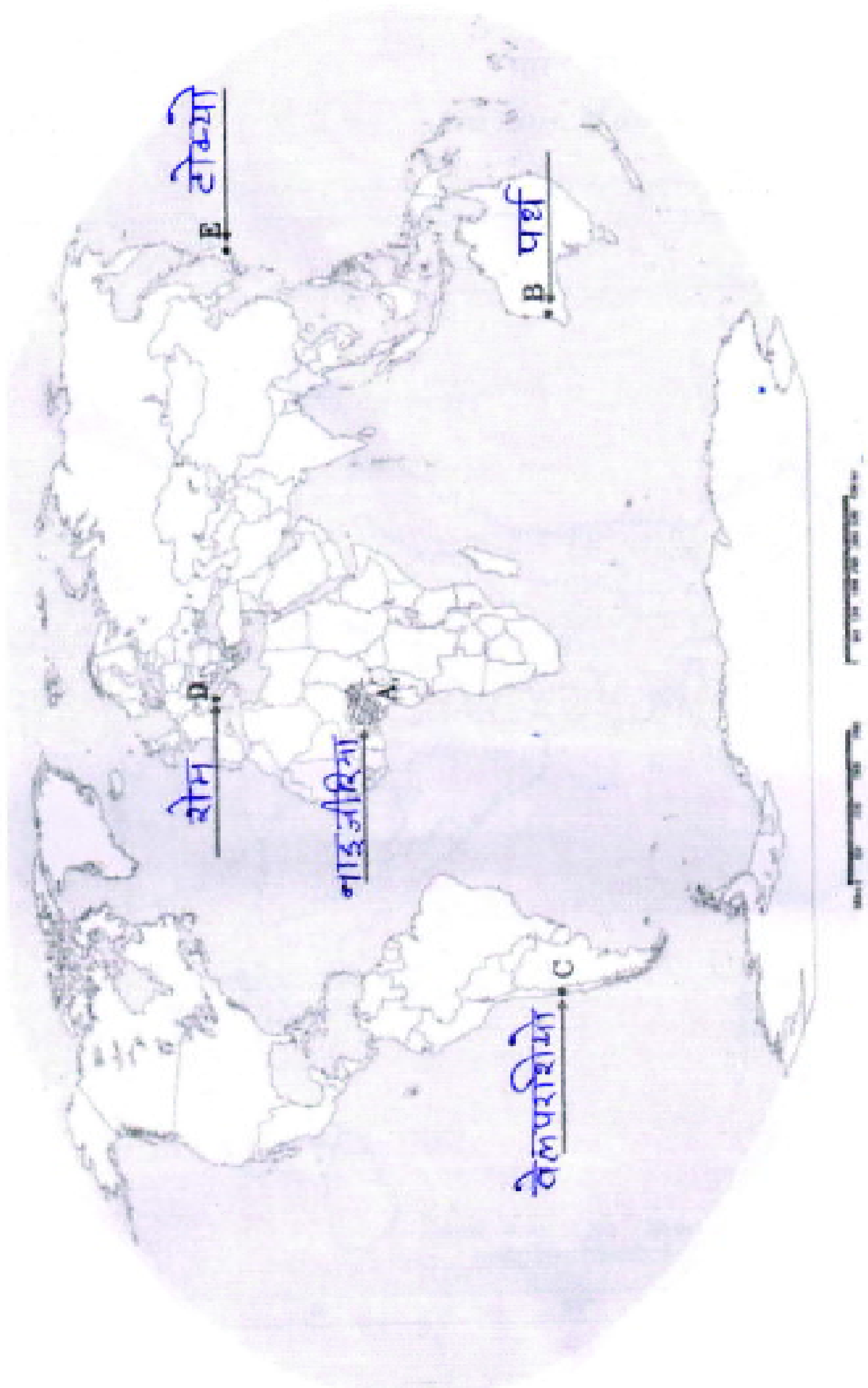

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं. 22 के लिए

For question no. 22

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

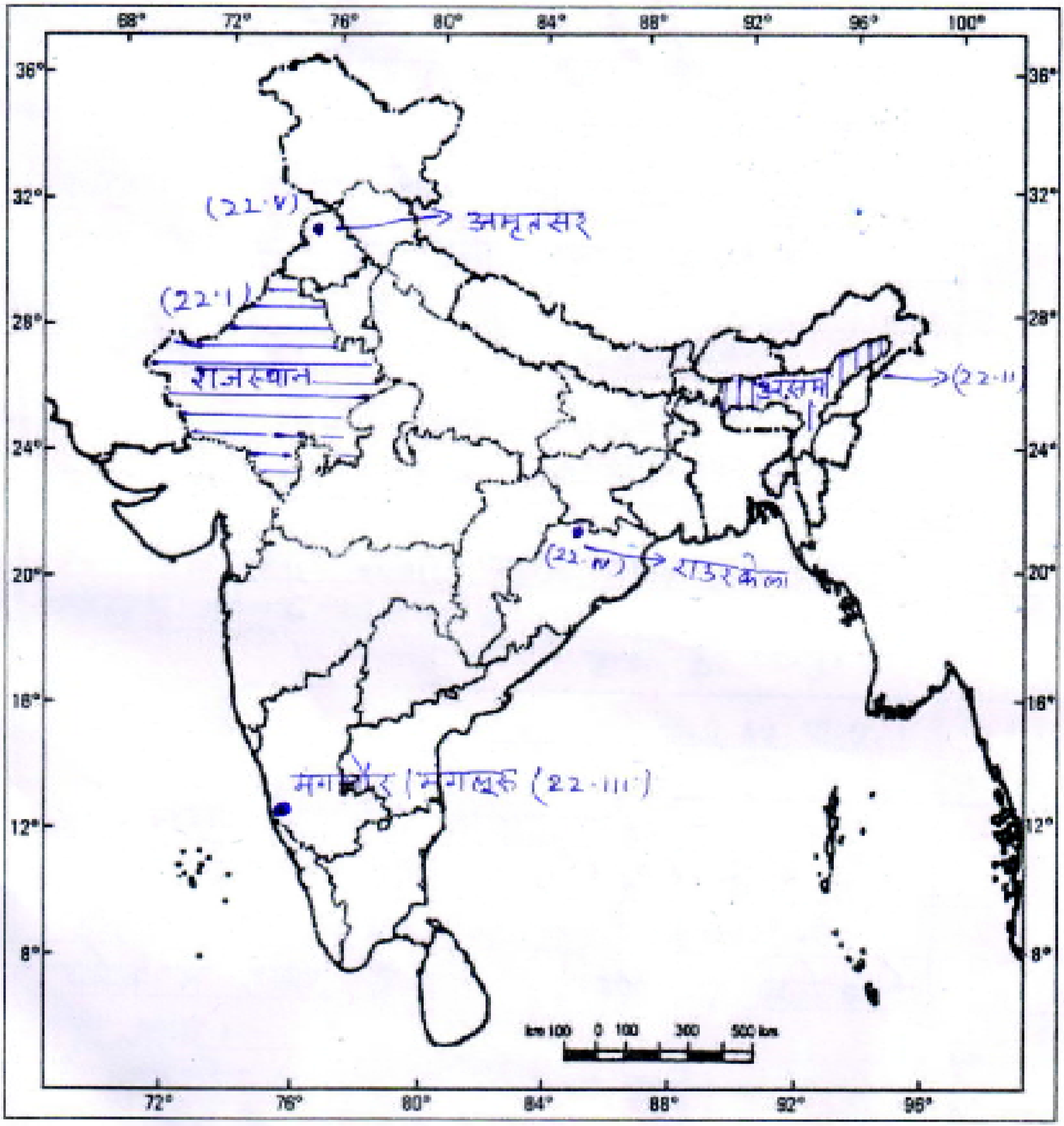

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च - 2015

अंक योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) दिल्ली, कोड संख्या 64/1/3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक योजना मूल्यांकन करने में व्यक्तिपरकता को कम करने हेतु सामान्य दिशा निर्देश प्रदान करती है। अंक योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक और सांकेतक हैं। यदि परीक्षार्थी अंक योजना में दिए गए उत्तरों से भिन्न उत्तर लिखता है, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे पूरे अंक दिए जाँए।

2. अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाय। मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार अथवा अन्य किसी सोच के आधार पर नहीं है। अंक योजना का यथावत पालन किया जाय और उसका उपयोग नियमित रूप से किया जाय।

3. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हैं तो ऐसे प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तरों पर दाँई ओर अंक दिए जाएं। तद्नन्तर उपभागों के अंकों का योग बाँई ओर हाशिए पर लिखकर उसे गोलकृत किया जाय।

4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर अंक बाँई ओर ही दिए जाएं और उन्हें गोलाकृत किया जाय।

5. प्रत्येक उत्तर के साथ संदर्भ हेतु निर्धारित पाठयपुस्तकों की पृष्ठ संख्या दी गई है, ताकि आवश्यकतानुसार परीक्षक इन पृष्ठों का अध्ययन कर उत्तरों का मूल्यांकन तथ्यपरक कर सकें।

   पाठयपुस्तक 1. मानव भूगोल के मूल्य सिद्धान्त, एन.सी.आर.टी.

   पाठयपुस्तक 2. भारत लोग और अर्थव्यवस्था, एन.सी.आर.टी.

6. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने - 0 से 100 का प्रयोग अपेक्षित है। यदि परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है तो उसे पूरे अंक देने में तनिक भी संकोच न करें।

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

विशिष्ट निर्देश :

1. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं। ये अपने में पूर्ण उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति सही है तो तद्नुसार अंक देने चाहिए।

2. माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशनुसार परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की छाया प्रति प्रार्थना पर निर्धारित शुल्क के भुगतान पर प्राप्त कर सकेंगे। सभी मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों को एक बार पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन करते समय प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं का कड़ाई से परिपालन किया जाय।

3. सभी मुख्य परीक्षकों / परीक्षकों को निर्दिष्टित किया जाता है कि जब वे उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हों और किसी प्रश्न का उत्तर पूरी तरह गलत पाते हैं तो गलत उत्तर के लिए (X) अंकित करना चाहिए और 0 अंक (शून्य) दिया जाना चाहिए।

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

अखिल भारतीय सीनियर सैकन्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा इतिहास

प्रश्न-पत्र-संख्या 64/1/3

अंक योजना 2015

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
1	ग्रामों और शहरों में **व्यवसाय** के **आधार** पर अन्तर यह है कि नगरों के निवासियों का मुख्य व्यवसाय द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियों से सम्बधित होता है; जबकि ग्रामों में रहने वाले निवासियों का मुख्य व्यवसाय प्राथमिक गतिविधियों से सम्बधित होता है। पृ.सं. 92, पा.पु. I	1
2	भारत में **नगरीकरण के स्तर का माप** कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में किया जाता है। पृ.सं. 36, पा.पु. II	1
3	शेरशाह सूरी ने अपने साम्राज्य को सुदृढ़ एवं संगठित रखने के लिए **शाही राजमार्ग** का निर्माण कराया था। पृ.सं. 114, पा.पु. II	1
4	प्रदूषकों के परिवहित एवं विसरित होने के माध्यम के आधार पर **प्रदूषण को वर्गीकृत** किया जाता है। पृ.सं. 115, पा.पु. I	1
5	अनेक स्थान जिन्हें परस्पर मार्गो की श्रेणियों द्वारा जोड़ दिए जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है, उसे **परिवहन जाल** कहते हैं। पृ.सं. 65, पा.पु. I	1
6	मानव के वे क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है, उन्हें **आर्थिक क्रियाएं** कहा जाता है। पृ.सं. 31, पा.पु. I	1
7	**'जनसंख्या वितरण'** शब्द का अर्थ भूपृष्ठ पर वितरित लोगों के स्वरूप से है। पृ.सं. 8, पा.पु. I	1

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
8	**संसार में ग्रामीण बस्तियों की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारक :** (i) जल आपूर्ति (ii) भूमि/उपजाऊ मृदा (iii) उच्चभूमि के क्षेत्र (iv) गृह निर्माण सामग्री (v) सुरक्षा (vi) नियोजित बस्तियाँ (किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 94, पा.पु. I	3×1 = 3
9	**मानव भूगोल के अध्ययन की विषय वस्तु :** (i) भौतिक जगत और मानव जगत के बीच सम्बन्ध स्थापित करना। (ii) मानवीय परिघटनाओं के स्थानिक वितरण का अध्ययन करना। (iii) विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करना। (iv) पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना, जिन्होंने मानव को पोषित किया है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 1, पा.पु. I	3×1 = 3
10	**भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए उत्तरदायी भौतिक कारक :** (i) उच्चावच की प्रकृति (ii) जल की उपलब्धता (iii) जलवायविक दशाएं (iv) उर्वरक मृदा (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित। पृ.सं. 33, पा.पु. II	3×1 = 3

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
11	**विकास को सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।** (i) भारत में विश्व के लगभग 16 प्रतिशत जनसंख्या है, जबकि जल संसाधन केवल 4 प्रतिशत हैं। अथवा भारत में विशाल जनसंख्या हैः परन्तु जल संसाधन सीमित हैं। (ii) भारत में उपयोग योग्य जल बहुत सीमित है। (iii) जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है और जल की मांग भी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। (iv) प्रदूषण जल संसाधनों को अनुपयोगी बना रहा है। मानव मूल्य जैसे उत्तरदायित्व, सकारात्मकता, जाग्रति, सन्तोष, सहयोग तथा जनता की सक्रियता जल संसाधनों के संरक्षण के लिए आवश्यक हैं। मूल्यों के संदर्भ में किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित। *मूल्य आधारित प्रश्न होने के नाते विद्यार्थी के विचार विचारणीय हैं। पृ.सं. 60, पा.पु. II	3×1 = 3
12	**भारत में भू-संसाधनों का महत्त्व उन लोगों के लिए और अधिक है, जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर है।** (i) कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित है। (ii) उत्पादकता भूमि की गुणवत्ता से जुड़ी है। (iii) भूमि स्वामित्व का सामाजिक मूल्य है। (iv) कृषक समाज का जीवन स्तर कृषि की उत्पादकता पर निर्भर है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं तीन तर्कों सहित पुष्टि अपेक्षित।) पृ.सं. 43 पा.पु. II	3×1 = 3

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
13	उद्योग अनेक अवाच्छित उत्पाद पैदा करते हैं, जिनमें औद्योगिक कचरा, प्रदूषित अपशिष्ट जल, ज़हरीली गैसें, रासायनिक अवशेष, अनेक भारी धातुएं, धूल, धुआँ आदि शामिल होते हैं। अधिकतर औद्योगिक कचरे को बहते जल में अथवा झीलों आदि में विसर्जित कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप विषाक्त रासायनिक तत्व जलाशयों, नदियों तथा अन्य जल भण्डारों में पहुँच जाते हैं। सर्वाधिक जल प्रदूषक उद्योग-चमड़ा, लुगदी व कागज़, वस्त्र तथा रसायन हैं। समग्ररूप में मूल्यांकन अपेक्षित। पृ.सं. 136, पा.पु. II	3
14	**सामान्यत :** मृत्यु दर किसी क्षेत्र की जनांकिकीय संरचना/सामाजिक उन्नति/आर्थिक विकास के स्तर द्वारा प्रभावित होती है। 1 **प्रतिकर्ष कारक :** (i) बेरोजागारी (ii) रहन-सहन की निम्न दशाएं (iii) राजनीतिक उपद्रव (iv) प्रतिकूल जलवायु (v) प्राकृतिक विपदाएँ (iv) महामारियां (v) सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन 4×1 = 4 किन्हीं चार कारकों की व्याख्या अपेक्षित। पृ.सं. 10-11, पा.पु. I	1+4 = 5
15	**चलवासी पशुचारण** एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय है, जिसमें पशुचारक अपने भोजन वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भार रहते हैं। 1 **विशेषताएं :** (i) वे चरागाहों की उपलब्धता एवं गुणवत्ता पर निर्भर रहते हैं। (ii) प्रत्येक पशुचारक वर्ग का अपना-अपना निश्चित चरागाह क्षेत्र होता है।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के पशु पाले जाते हैं। (iv) इनका जीवन सीधे अपने पशुधन से जुड़ा है। (v) चलवासी पशुचारक अपने पशुधन के सहित ऋतु परिवर्तन के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर गतिशील होते हैं, जिसे ऋतु प्रवास कहा जाता है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 4×1 = 4 (किन्हीं चार विशेषताओं की व्याख्या अपेक्षित।) पृ.सं. 33, पा.पु. I	1+4 = 5
16	**उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक** (i) बाजार तक अभिगम्यता। (ii) कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता। (iii) श्रम आपूर्ति की अभिगम्यता। (iv) शक्ति के साधनों की अभिगम्यता। (v) परिवहन की अभिगम्यता। (vi) संचार सुविधाओं की अभिगम्यता। (vii) सरकारी नीति। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्हीं पाँच कारकों की व्याख्या अपेक्षित है।) पृ.सं. 46-67, पा.पु. I	5×1 = 5
17	जल, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैसें तथा अन्य तरल पदार्थों के परिवहन के लिए **पाइपलाइनों** का व्यापक उपयोग किया जाता है। अथवा पाइपलाइन 1 **जाल** (i) संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पादक क्षेत्रों से लेकर उपयोग क्षेत्रों तक तेल पाइपलाइनों का सघन जाल पाया जाता है।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(ii) बिग इंच ऐसी ही प्रसिद्ध पाइपलाइन है जो मैक्सिको की खाड़ी में स्थित तेल के कुओं से तेल को उत्तर-पूर्वी राज्यों में ले जाती है। (iii) यूरोप, रूस और पश्चिम एशिया में पाइपलाइनों का प्रयोग तेल के कुओं को तेल परिष्करणशालाओं से जोड़ने के लिए किया जाता है। (iv) उत्तर भारत में पाइपलाइनें तेल कुओं को तेल परिष्करशालाओं से जोड़ती हैं और तदूनन्तर औद्योगिक पेटियों से जोड़ती हैं। (v) हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (एच.वी.जे.) पाइपलाइन उत्तर-पश्चिम भारत में बनाई गई है। यह क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। $4\times1 = 4$ किन्हीं चार बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित। पृ.सं. 77, 78, पा.पु. I पृ.सं. 122, पा.पु. II	1+4 = 5
18	**विकास सामान्य रूप से और मानव विकास विशेष रूप से :** (i) विकास समाज की सभी सामाजिक, सांस्कृतिक पर्यावरणीय समस्याओं का निदान नहीं कर सका है। (ii) इसने मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार किए हैं; किन्तु प्रादेशिक विषमताएं बढ़ी हैं। (iii) सामाजिक असमानताएं, मानवीय मूल्यों का विनाश तथा पर्यावरणीय निम्नीकरण भी बढ़ा है। (iv) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने अपनी 1993 की मानव विकास रिपोर्ट में विकास की अवधारणा में कुछ स्पष्ट पक्षपातों और पूर्वाग्रहों को संशोधित करने का प्रयत्न किया है। (v) लोगों की प्रतिभागिता और उनकी सुरक्षा 1993 की मानव विकास रिपोर्ट के प्रमुख मुद्दे थे। (vi) इसमें मानव विकास की न्यूनतम दशाओं के रूप में उत्तरोत्तर लोकतंत्रीकरण और लोगों के बढ़ते सशक्तीकरण पर बल देता है।	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो उपयुक्त तर्कों द्वारा न्यायसंगत पुष्टि। पृ.सं. 29, 30, पा.पु. II	2½+2½=5
19	**भारत में सड़कों के असमान वितरण के उत्तरदायी कारक :** (i) **उच्चावच** ● पर्वत ● पठार ● मैदान ● मरुस्थल (ii) **आर्थिक विकास** ● कृषीय विकास ● औद्योगिक विकास (iii) **जनसंख्या वितरण** ● उच्च ● मध्यम ● निम्न (iv) सरकारी नीति (v) जलवायु (vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। किन्हीं पाँच बिन्दुओं/उप-बिन्दुओं की कथन के पक्ष में तार्किक विवेचन। पृ.सं. 117, पा.पु. II	5×1 = 5
20	**चरागाह भूमि में कमी के कारण :** कृषि भूमि पर बढ़ता दबाव है तथा साझी चरागाहों पर गैर कानूनी तरीकों से कृषि विस्तार है। 2 **अर्थव्यवस्था में परिवर्तन भूमि उपयोग में परिवर्तन** (i) अर्थव्यवस्था का आकार (ii) अर्थव्यवस्था की संरचना	

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) कृषि का घटता योगदान (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। 3×1 = 3 (किन्हीं तीन बिन्दुओं के व्याख्या की अपेक्षा।) पृ.सं. 41 पा.पु. II	2+3 = 5
21	**उत्तर के लिए संसार का संलग्न मानचित्र देखिए।** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए :** (21.1) नार्वे (21.2) सिडनी (21.3) रायो डी जेनेरो/पोर्टो एलेग्रे/साल्वाडोर (21.4) न्यू आर्लियन्स (21.5) लागोस	5×1 = 5
22	**उत्तर के लिए भारत का संलग्न मानचित्र देखिए।** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए :** (22.1) गोआ (22.2) पश्चिम बंगाल (22.3) पानीपत (22.4) भिलाई (22.5) बंगलौर	5×1 = 5

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Map for Q. No. 21

प्रश्न सं. 21 के लिए मानचित्र

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

Downloaded From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं. 22 के लिए

For question no. 22

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

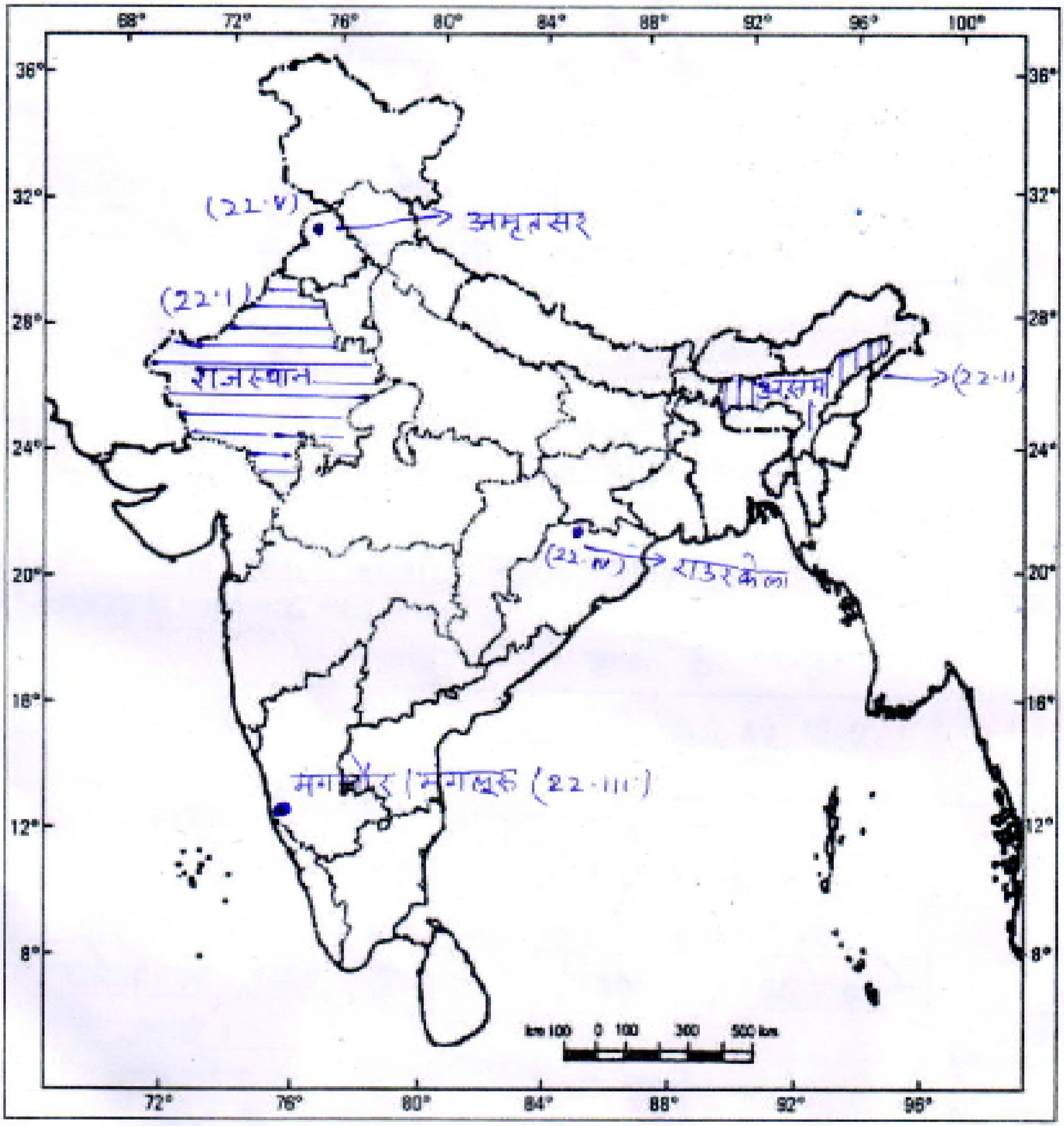

Downloaded From:http://www.cbseportal.com